# ऑस्ट्रेलिया की 4-1 से बादशाहत कायम

## मिचेल स्टार्क बने सीरीज के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज

**सिडनी, 08 जनवरी ऑस्ट्रेलिया के हाथों एशेज सीरीज पहले ही गंवा चुकी इंग्लैंड टीम ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पांचवें और अंतिम टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान टीम को पांच विकेट से हराकर सीरीज का अंत सम्मानजनक जीत के साथ किया।**

ऑस्ट्रेलिया ने एशेज 4-1 से अपने नाम की, लेकिन इस मुकाबले में इंग्लैंड ने जुझारूपन दिखाते हुए आलोचकों को जवाब देने की कोशिश की। आखिरी दिन 160 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत लड़खड़ाई। मिचेल स्टार्क की जगह इस बार इंग्लैंड के गेंदबाजों ने निर्णायक भूमिका निभाई। ऑस्ट्रेलिया ने एक समय अपने अहम बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा, स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन को जल्दी खो दिया, जिससे मुकाबला रोमांचक हो गया। हालांकि कैमरन ग्रीन और एलेक्स कैरी ने पारी संभालने का प्रयास किया, लेकिन इंग्लैंड के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा। इससे पहले मैच का रुख इंग्लैंड की दूसरी पारी में ही तय हो गया था, जहां युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल ने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 154 रन बनाए। बेथेल की यह पारी सिर्फ स्कोरबोर्ड तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह इंग्लैंड की नई पीढ़ी के आत्मविश्वास का प्रतीक भी बनी। उन्होंने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को लंबे समय तक विकेट के लिए तरसाया। बेथेल को उनकी इस मैराथन पारी के लिए स्टैंडिंग ओवेशन मिला। उनके आउट होने तक इंग्लैंड ने दूसरी पारी में मजबूत बढ़त बना ली थी, जिसने ऑस्ट्रेलिया को दबाव में ला दिया।

**154 रन की जैकब बेथेल की यादगार पारी**

### युवा तेज गेंदबाजों का अहम योगदान...

इंग्लैंड के लिए गेंद से भी मिचेल स्टार्क के जवाब में युवा तेज गेंदबाजों ने अहम योगदान दिया और निर्णायक क्षणों में विकेट चटकाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने एक बार फिर सीरीज में अपनी धार दिखाई और पांचवें टेस्ट में भी महत्वपूर्ण विकेट झटके। स्टार्क ने पूरी सीरीज में 31 विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार अपने नाम किया। वहीं ट्रैविस हेड को उनके निरंतर प्रभावी प्रदर्शन के लिए इस टेस्ट का 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

# पंजाब ने मुम्बई को एक रन से हराया

## ऋतुराज का शतक, सरफराज ने मचाया तहलका

**जयपुर/राजकोट/बेंगलुरु/महाराष्ट्र, 08 जनवरी. विजय हजारे ट्रॉफी के सातवें राउंड में क्रिकेट प्रेमियों के लिए गुरुवार का दिन बेहद रोमांचक और रिकॉर्ड्स से भरा रहा।**

पंजाब ने मुम्बई को सिर्फ एक रन से हराकर जीत का रोमांच पैदा किया, वहीं मुंबई के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान ने लिस्ट ए क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे तेज अर्धशतक जड़कर नया इतिहास रचा। इसके अलावा दिल्ली, बड़ौदा और महाराष्ट्र के बल्लेबाजों ने भी अपनी टीमों को मजबूत स्थिति में लाकर टूर्नामेंट को दर्शकों के लिए और दिलचस्प बना दिया। सरफराज खान ने किया कमाल जयपुर के जयपुरिया विद्यालय मैदान पर मुंबई ने पंजाब के खिलाफ 217 रनों का पीछा किया। अपने भाई के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए सरफराज खान ने आते ही स्पिनरों पर हमला बोल दिया। उन्होंने पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा के एक ओवर में तीन छक्के और तीन चौके लगाए।

# हम श्रीलंका में विश्व कप खेलना चाहते हैं : बंगलादेश

**ढाका, 08 जनवरी बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में बंगलादेश के मुक़ाबलों को भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने की बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की मांग को दोहराया है।**

उन्होंने कहा कि बीसीबी सुरक्षा संबंधी चिंताओं की गंभीरता के बारे में आईसीसी को समझाने का प्रयास करेगा और उन्होंने साथ ही इस मामले को 'बंगलादेश की गरिमा' से संबंधित भी बताया। नजरुल ने मंगलवार को आईसीसी और बीसीबी की चर्चा के बाद आईसीसी द्वारा प्राप्त हुए संदेश पर बात करते हुए कहा, 'आज आईसीसी का पत्र पढ़ने के बाद हमें यह समझ आया कि आईसीसी को भारत में बंगलादेशी क्रिकेटरों की सुरक्षा संबंधी समस्या की गंभीरता का पूर्ण रूप से एहसास नहीं है।

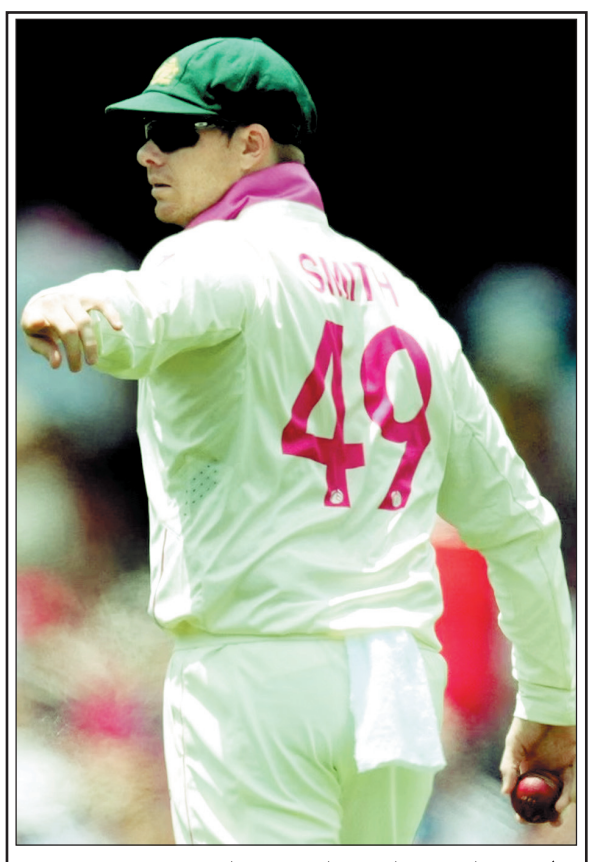

# 2027 एशेज में खेलने को लेकर आश्वस्त नहीं हैं स्मिथ

**सिडनी, 08 जनवरी. ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीवन स्मिथ ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के उम्रदराज खिलाड़ियों का समूह 2027 एशेज खेलने को लेकर उत्सुक है लेकिन वह खुद को लेकर आश्वस्त नहीं हैं कि वह उस सीरीज का हिस्सा हो पाएंगे या नहीं क्योंकि तब तक वह 38 के हो जाएंगे।**

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में सबसे उम्रदराज टीमों में से एक टीम के साथ जीत हासिल करते हुए एशेज पर 4-1 से क़ब्ज़ा जमाया। टेस्ट इतिहास में अब तक सिर्फ़ सात बार कोई टीम 30 से अधिक की उम्र के 10 खिलाड़ियों के साथ खेली है और ऑस्ट्रेलिया ने इस सीरीज में दो बार (पर्थ और सिडनी में) ऐसा किया। अन्य पांच बार ऐसा करने वाली टीम इंग्लैंड थी जो 1909 से 1926 के बीच 30 से अधिक की उम्र के 10 खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतरी थी। इस सीरीज की शुरुआत से पहले ऑस्ट्रेलिया में शामिल उम्रदराज़ खिलाड़ियों पर सवाल उठे थे लेकिन 35 वर्षीय मिचेल स्टार्क प्लेयर ऑफ द सीरीज़ बने जबकि 36 वर्षीय स्कॉट बोलैंड ने सभी पांच टेस्ट खेले और उन्होंने 24.95 की औसत से 20 विकेट हासिल किए।

> ऑस्ट्रेलियाई दल के सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी 39 वर्षीय उस्मान ख़्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया लेकिन स्मिथ से पूछा गया कि अन्य खिलाड़ी 2027 में इंग्लैंड में खेलने के लिए कितने उत्सुक हैं। स्मिथ ने कहा कि इंग्लैंड में दो ड्रॉ एशेज सीरीज खेलने के बाद यह एक ऐसी चीज (इंग्लैंड में एशेज जीतना) है जिसे वह हासिल करना चाहेंगे लेकिन फ़िलहाल वह अनिश्चित हैं। स्मिथ ने फ़ॉक्स क्रिकेट से कहा, 'मैं आश्वस्त हूं कि हर कोई वहां जाकर खेलना चाहता है और एशेज जीतने के लिए अपना 100 फ़ीसदी देना चाहता है।

### एक नजर में

#### सबालेंका, रायबाकिना क्वार्टर फाइनल में

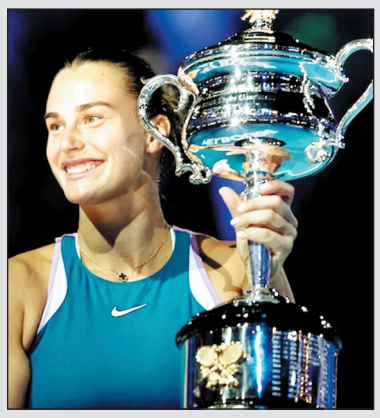

सिडनी. वर्ल्ड नंबर 1 आर्यना सबालेंका और पांचवें नंबर की एलेना रायबाकिना गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट में सीधे सेटों में जीतकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। ब्रिस्बेन में डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने राउंड ऑफ़ 16 के मैच में सोराना क्रिस्टिया को एक घंटे और 19 मिनट में 6-3, 6-3 से हराया। पहले सेट में क्रिस्टिया की सर्विस को तीन बार तोड़ने के बाद, सबालेंका को दूसरे सेट में दो गेम में छह ब्रेक पॉइंट की ज़रूरत पड़ी, जिसके बाद उन्होंने निर्णायक बढ़त हासिल की। सबालेंका ने अब 2023 की शुरुआत से ऑस्ट्रेलिया में 35 मैच जीते हैं और दो हारे हैं, जिसमें दो ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब शामिल हैं, और एकमात्र हार 2024 में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल और 2025 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में मिली है।

#### चीन की झेंग किनवेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटीं

**वुहान.** चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने की घोषणा की है, उन्होंने कहा कि वह अभी तक अपनी पसंदीदा प्रतिस्पर्धी स्थिति में नहीं पहुंची हैं। झेंग ने सोशल मीडिया पर एक बयान पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि यह फैसला उनकी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और मेडिकल सलाह के बाद लिया गया है। हालांकि झेंग ने कहा कि उनकी रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है और उनका ऑफ-सीजन सुचारू रूप से चला गया है.

#### वहेंगबाम सुधीर मीतेई ने जीता स्वर्ण पदक

**दीव.** मणिपुर के वहेंगबाम सुधीर मीतेई ने केआईबीजी 2026 की पेंचक सिलाट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 19 वर्षीय सुधीर ने न केवल चुनौतियों पर काबू पाया, बल्कि प्रेमचंद्र येन्गखोम के साथ मिलकर गंडा स्पर्धा में मणिपुर को खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में राज्य का पहला स्वर्ण पदक भी दिलाया। मुकाबले के बाद सुधीर ने कहा, 'यह मेरा पहला खेलो इंडिया बीच गेम्स था और आने से पहले मैंने अपने माता-पिता से वादा किया था कि मैं स्वर्ण पदक लेकर लौटूंगा।

# तिलक वर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन टी20 मैचों से हुए बाहर

### टीम इंडिया को बड़ा झटका

**नई दिल्ली, 08 जनवरी. भारत-न्यूजीलैंड सीरीज से पहले टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा है. तिलक वर्मा को 5 मैचों की सीरीज के शुरुआती 3 मैचों से बाहर कर दिया है. बता दें कि तिलक को गुरुवार सुबह अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और उनकी सेहत ठीक है.**

वे शुक्रवार को हैदराबाद लौटेंगे, उनके लक्षण ठीक होने और घाव भरने के बाद वे शारीरिक प्रशिक्षण और धीरे-धीरे अपने कौशल अभ्यास में वापसी करेंगे. लेकिन वे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन टी20 मैचों से बाहर हैं. वहीं, आखिरी दो टी20 मैचों में उनकी उपलब्धता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे प्रशिक्षण और कौशल अभ्यास में कितनी प्रगति करते हैं.

बता दें कि 23 साल के बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा विजय हजारे ट्रॉफी में हैदराबाद की ओर से राजकोट में खेल रहे थे, तभी उन्हें अचानक तेज दर्द हुआ. उन्हें तुरंत गोकुल अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच में टेस्टिकुलर टॉर्शन पाया गया था.

#### तिलक जल्द करेंगे क्रिकेट में वापसी : कोच रवि तेजा

भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए राहत की खबर है। युवा बल्लेबाज़ तिलक वर्मा की फिटनेस को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर विराम लग गया है। हैदराबाद क्रिकेट टीम के कोच डीबी रवि तेजा ने स्पष्ट किया है कि तिलक वर्मा पूरी तरह सुरक्षित हैं और उनकी हालिया सर्जरी कोई गंभीर मामला नहीं थी। कोच के मुताबिक, तिलक जल्द ही फिट होकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए उपलब्ध होंगे. भारतीय टीम के उभरते सितारे तिलक वर्मा को लेकर सोशल मीडिया और मीडिया के एक वर्ग में फैल रही चिंताओं को हैदराबाद क्रिकेट टीम के कोच डीबी रवि तेजा ने सिरे से खारिज कर दिया है।

#### श्रीलंका ने विक्रम को बैटिंग कोच नियुक्त किया

**कोलंबो.** श्रीलंका ने इस साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में होने वाले मेन्स टी20 वर्ल्ड कप से पहले विक्रम राठौर को कंसल्टेंसी बेसिस पर बैटिंग कोच के तौर पर टीम में शामिल किया है। एसएलसी की एक रिलीज में कहा गया है कि यह नियुक्ति मुख्य रूप से टीम को इस बड़े इवेंट के लिए तैयार करने पर फोकस करेगी। श्रीलंका के साथ राठौर का कार्यकाल 18 जनवरी से 10 मार्च तक चलेगा। राठौर, जो पूर्व भारतीय क्रिकेटर हैं, पहले सितंबर 2019 से जुलाई 2024 तक भारतीय पुरुष टीम के बैटिंग कोच के पद पर थे।

**खेल** मलेशिया ओपन सुपर 1000 में पीवी सिंधु व शीर्ष युगल जोड़ी क्वार्टर फाइनल में, पुरुष एकल चुनौती खत्म

# सिंधु और सात्विक-चिराग की उड़ान, लक्ष्य सेन बाहर

**कुआलालम्पुर, 08 जनवरी दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने अपने अनुभव और आक्रामक खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया.**

वहीं भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने भी दमदार जीत दर्ज करते हुए अंतिम आठ में जगह बनाई. हालांकि पुरुष एकल में भारत को निराशा हाथ लगी, जहां लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी प्री-क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए. स्टेडियम एक्सियाटा एरिना में खेले गए महिला एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज पीवी सिंधु ने जापान की आठवीं वरीय टोमोका मियाजाकी को सीधे गेम में 21-8, 21-13 से शिकस्त दी. मुकाबले की शुरुआत से ही सिंधु ने कोर्ट पर अपना दबदबा बनाए रखा और आक्रामक स्मैश के साथ सटीक नेट प्ले से मियाजाकी को कोई मौका नहीं दिया. पहले गेम में सिंधु ने तेजी से बढ़त बनाते हुए महज 15 मिनट में गेम अपने नाम कर लिया. 53 मिनट तक चले इस मुकाबले में लक्ष्य सेन ने अच्छी शुरुआत की और दोनों गेम में ब्रेक तक बढ़त बनाए रखी, लेकिन निर्णायक क्षणों में वह लय कायम नहीं रख सके. पहले गेम में लक्ष्य सेन के पास चार गेम पॉइंट थे, लेकिन ली चेउक यिउ ने लगातार छह अंक हासिल कर गेम पलट दिया. दूसरे गेम में भी लक्ष्य ब्रेक तक 11-8 से आगे थे, मगर इसके बाद उनका खेल बिखर गया और वह केवल चार और अंक ही जोड़ सके.

> दूसरे गेम में जापानी खिलाड़ी ने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन सिंधु की लय नहीं टूट सकी. सिंधु की यह मियाजाकी के खिलाफ तीन मुकाबलों में दूसरी जीत रही, जिससे उनका आत्मविश्वास और मजबूत हुआ है. अब क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना चीन की गाओ फांग जी और जापान की तीसरी वरीय अकाने यामागुची के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा. यामागुची के खिलाफ सिंधु का रिकॉर्ड उतार-चढ़ाव भरा रहा है, ऐसे में क्वार्टर फाइनल मुकाबला काफी चुनौतीपूर्ण होने की उम्मीद है. पुरुष एकल वर्ग में भारत को बड़ा झटका लगा, जहां 13वीं रैंक के लक्ष्य सेन प्री-क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के विश्व नंबर 18 खिलाड़ी ली चेउक यिउ से 22-20, 21-15 से हार गए.